Brahma Kumaris Environment Initiative



COP31 में विश्व नेता — विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन, अंताल्या

दूसरी रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन

COP31

11 से 13 नवंबर 2026 | अंताल्या, तुर्किये

91
देशों के राष्ट्राध्यक्षों व सरकार प्रमुखों ने सम्मेलन में शामिल होने की पुष्टि की

क्रिस बोवेन
COP31 सम्मेलन अध्यक्ष

3 प्रमुख विषय
जलवायु वित्त • अनुकूलन • स्वच्छ ऊर्जा

• सम्मेलन अवलोकन

विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन के दो दिनों के गहन वक्तव्यों के बाद अब COP31 में भाषणों से आगे बढ़कर जलवायु से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर वास्तविक बातचीत और विचार-विमर्श शुरू हो गया है। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र और जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित देशों ने गंभीर चेतावनियाँ दीं। वहीं, दुनिया के अलग-अलग देशों की अपनी प्राथमिकताएँ भी सामने आईं।

सम्मेलन अध्यक्ष क्रिस बोवेन के नेतृत्व में प्रतिनिधि अब कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। इनमें जलवायु संबंधी कार्यों के लिए आर्थिक सहायता, बदलती जलवायु के अनुसार स्वयं को ढालना और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को तेजी से बढ़ाना शामिल है। इस दौरान कई नई पहल और प्रतिबद्धताएँ भी सामने आ रही हैं। इनमें आपदाओं से होने वाले नुकसान के जोखिम को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक वित्तीय सहायता व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव और शहरों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने में अधिक सक्षम बनाने पर विशेष ध्यान शामिल है।

91

सम्मेलन से पहले 91 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों ने इसमें शामिल होने की पुष्टि की थी। यह जलवायु संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों के प्रति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।



संयुक्त राष्ट्र महासचिव का संदेश

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने प्रभावशाली संदेश में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि जलवायु संकट जिस तेजी से बढ़ रहा है, दुनिया उससे निपटने के लिए उतनी तेजी से प्रयास नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु के प्रति हमारी पहली जिम्मेदारी सच्चाई को स्वीकार करना और उसे बताना है। विज्ञान हमें हार मानने के लिए नहीं, बल्कि और अधिक मजबूत कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है।

ब्रह्माकुमारीज़ का दृष्टिकोण

इन जटिल चर्चाओं के बीच ब्रह्माकुमारीज़ COP31 में एक विशेष दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रही हैं। हमारा मानना है कि वैश्विक स्तर पर किए गए वादों और योजनाओं को वास्तविक रूप देने के लिए आंतरिक शक्ति, नैतिक मूल्य और संपूर्ण मानवता के प्रति एकता का भाव होना बहुत जरूरी है।

हमारे जलवायु ज्ञान केंद्र (क्लाइमेट विजडम स्टूडियो) के माध्यम से सम्मेलन में होने वाली बातचीत, कार्यक्रमों और विभिन्न मुलाकातों द्वारा हम यह समझने और समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि चेतना में परिवर्तन किस प्रकार सहयोग, करुणा और दृढ़ संकल्प को प्रेरित कर सकता है। इससे एक अधिक टिकाऊ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण संभव है।

बुधवार, 11 नवंबर

उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन एवं क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

• विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन

उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

अनेता को COP31 के विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन के भव्य उद्घाटन समारोह में शामिल होने का अवसर मिला। इस सम्मेलन में दुनिया के विभिन्न देशों के नेता एकत्रित हुए। इसकी मुख्य विषयवस्तु थी – "एक टिकाऊ, सुदृढ़ और न्यायपूर्ण भविष्य की ओर।"



— शिखर सम्मेलन का भव्य उद्घाटन समारोह

> **एक टिकाऊ, सुदृढ़ और न्यायपूर्ण भविष्य की ओर**
>
> COP31 विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन की मुख्य विषयवस्तु

• ध्यान सत्र • हिममंडल प्रदर्शनी केंद्र

COP31 में संध्या मेडिटेशन – एक सागर, एक मानवता



बिरजिथ ने हिममंडल प्रदर्शनी केंद्र (Cryosphere Pavilion) में जल और समुद्र के विषय पर एक संध्या मेडिटेशन कराया। प्रदर्शनी केंद्र में उपस्थित कुछ लोगों ने देर तक रुककर इस मेडिटेशन का अनुभव लेने का निर्णय किया। समुद्र पर केंद्रित इस मेडिटेशन से असीम होने का अनुभव हुआ। साथ ही, अलग-अलग देशों, संस्कृतियों और बदलते समुद्री वातावरण के बावजूद संपूर्ण मानवता के एक होने का भाव जागृत हुआ।

मेडिटेशन का अनुभव देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

• मीडिया साक्षात्कार

दक्षिण एशिया में जलवायु कार्यवाही (Climate Action) में धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका

गोलो ने अपने अस्थायी कार्यस्थल से ऑनलाइन साक्षात्कार दिया। इसमें उन्होंने बताया कि दक्षिण एशिया में जलवायु संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देने में धर्म और धार्मिक संस्थाएँ किस प्रकार योगदान दे सकती हैं।

पत्रकार यह जानने का प्रयास कर रहे थे कि धार्मिक मान्यताएँ और संस्थाएँ किस तरह पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यावहारिक कदम उठाने में सहायक बन सकती हैं। साथ ही, उनके सामुदायिक संपर्क और संगठन पर्यावरण की रक्षा में किस प्रकार योगदान दे सकते हैं और आध्यात्मिक मूल्यों को वास्तविक परिणामों में बदलने में क्या चुनौतियाँ आती हैं।



— गोलो – अस्थायी कार्यस्थल से ऑनलाइन साक्षात्कार

Shalinee Kumari
South Asia reporter
20 YEARS Dialogue Earth

• क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

जलवायु ज्ञान केंद्र – समुदायों को सशक्त बनाएँ, पृथ्वी की रक्षा करें

इस शाम हमारे जलवायु ज्ञान केंद्र में एनर्जीज़ 2050 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन पुफ़री और एसएएफसीईआई की कार्यकारी निदेशक फ्रांसेस्का डी गैस्पारिस विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सिस्टर मॉरीन ने उनके साथ बातचीत की और गोलो ने साक्षात्कार लिया। इस बातचीत में उन्होंने बताया कि वे COP में क्यों आए हैं, उनकी व्यक्तिगत प्रेरणाएँ क्या हैं और भविष्य को लेकर उनकी क्या आशाएँ हैं।





— जलवायु ज्ञान केंद्र (क्लाइमेट विजडम स्टूडियो) में विशेष अतिथियों के साथ संवाद

पूरी बातचीत देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

गुरुवार, 12 नवंबर – शुक्रवार, 13 नवंबर

शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदर्शनी और स्टूडियो संवाद

उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन के कारण विशेष बस सेवाओं और आवागमन पर काफी प्रतिबंध लगा दिए गए थे। इस वजह से इन दिनों गतिविधियाँ अपेक्षाकृत कम रहीं। सिस्टर मॉरीन को उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन के कुछ सत्रों में शामिल होने का अवसर मिला। इसके अलावा, बांग्लादेश के सबसे अधिक प्रसार वाले बांग्ला और अंग्रेज़ी समाचार पत्र 'आलो प्रोथम' ने उनका साक्षात्कार भी लिया।

हमारी प्रदर्शनी में लगातार काफी संख्या में लोग आ रहे हैं। विशेष रूप से नया त्रि-आयामी आभासी वास्तविकता (VR Immersive 3D) अनुभव लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। इसके माध्यम से आगंतुकों को हमारे मधुबन और पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं का वास्तविक जैसा अनुभव मिल रहा है।





— प्रदर्शनी में नया त्रि-आयामी आभासी वास्तविकता (VR Immersive 3D) अनुभव

• क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

जलवायु संरक्षण के लिए शिक्षा और नैतिक मूल्य

शिक्षा और नैतिक मूल्य जलवायु संरक्षण के सार्थक प्रयासों के लिए किस प्रकार प्रेरित कर सकते हैं? जलवायु ज्ञान केंद्र की इस विशेष बातचीत में गोलो ने सिस्टर मॉरीन, पर्यावरण शिक्षा फाउंडेशन के डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा और नॉर्वे के चर्च के रेवरेंड आइनर ट्वेले का स्वागत किया। इस बातचीत में सभी ने मिलकर विचार-विमर्श किया कि शिक्षा, आस्था और साझा नैतिक मूल्य किस प्रकार एक अधिक टिकाऊ भविष्य के निर्माण में सहयोग दे सकते हैं।



— चित्र में: गोलो, सिस्टर मॉरीन, डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा और बुरहान



— चित्र में: गोलो, सिस्टर मॉरीन, सोन्या और नॉर्वे के चर्च के रेवरेंड आइनर ट्वेले

पूरे संवाद को सुनने के लिए यूट्यूब पर जाएँ।

• अंतरधार्मिक सहयोग

अंतरधार्मिक बैठक (Interfaith Meeting)

विभिन्न धर्मों और आस्थाओं से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने, नई जानकारियाँ साझा करने और आपसी संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से एक बैठक की। इस बैठक में ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से अनेता और शांतनु ने भाग लिया।



— अंतरधार्मिक बैठक में विभिन्न धर्मों और आस्थाओं से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधि

• क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

COP31 में नैतिक मूल्यों की भूमिका

जलवायु ज्ञान केंद्र में सोन्या ओल्सन ने क्लाइमेट हीलर्स के शैलेश राव, लॉडाटो सी मूवमेंट के एशले किटिस्या और सिस्टर मॉरीन का स्वागत किया। इस चर्चा में सभी ने अपने विचार साझा किए कि नैतिकता, करुणा और न्याय की भावना किस प्रकार शाकाहारी जीवनशैली अपनाने, पशुओं की देखभाल करने और एक बेहतर भविष्य के प्रति आशा जगाने के लिए प्रेरित कर सकती है।





— जलवायु ज्ञान केंद्र में नैतिकता, करुणा और न्याय पर संवाद

पूरे संवाद को सुनने के लिए यूट्यूब पर जाएँ।

• युवा आवाज़ें

युवा प्रदर्शनकारियों से मुलाकात



— प्रदर्शनी स्थल के पास युवा जलवायु कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

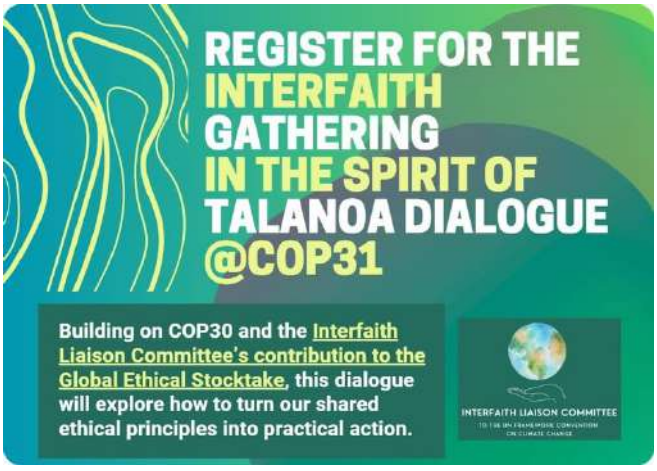
हमारे प्रदर्शनी स्थल के पास कुछ युवा जलवायु कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इनमें ग्रेटा थनबर्ग भी शामिल थीं। वे हमारे प्रदर्शनी स्थल पर भी आईं और उन्होंने शुभकामना एवं आशीर्वाद कार्ड स्वीकार किए।

सम्मेलन से पहले आयोजित कार्यक्रम

तालानोआ संवाद • 4 नवंबर • ऑनलाइन

इस वर्ष COP31 का तालानोआ संवाद 4 नवंबर को ऑनलाइन आयोजित किया गया। इस संवाद का उद्देश्य COP30 में शुरू हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाना और वैश्विक नैतिक समीक्षा में अंतरधार्मिक समन्वय समिति के योगदान को और विकसित करना था। इसमें विशेष रूप से इस बात पर ध्यान दिया गया कि COP30 के दौरान सामने आए साझा नैतिक सिद्धांतों और प्रतिबद्धताओं को व्यावहारिक कार्यों में किस प्रकार बदला जा सकता है।

तालानोआ संवाद फिजी के मूल निवासियों की एक पारंपरिक पद्धति है, जिसके माध्यम से समुदाय के लोग मिल-बैठकर समस्याओं का समाधान खोजते हैं। जब फिजी ने COP23 की अध्यक्षता की थी, तब इस पद्धति को जलवायु से जुड़े सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सम्मेलन में शामिल किया गया था। इस संवाद की प्रक्रिया में मुख्य रूप से तीन प्रश्नों पर विचार किया जाता है:



— तालानोआ संवाद की भावना में अंतरधार्मिक सभा

• तालानोआ संवाद के तीन प्रश्न

01
हम आज कहाँ खड़े हैं?

02
हम कहाँ पहुँचना चाहते हैं?

03
हम अपने लक्ष्य तक कैसे पहुँच सकते हैं?

दुनियाभर में जलवायु संरक्षण के लिए कार्यरत धार्मिक एवं आध्यात्मिक समुदायों के रूप में इस संवाद के माध्यम से हम जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी चुनौतियों पर विचार करते हैं। हम समझने का प्रयास करते हैं कि वर्तमान स्थिति क्या है, हमें किस दिशा में आगे बढ़ना है और अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए कौन-से व्यावहारिक कदम उठाने हैं। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से सिस्टर मॉरीन, वैलेरियन और अनेता ने इस संवाद में भाग लिया।

और जानें

ब्रह्माकुमारीज़ – पर्यावरण एवं जलवायु से जुड़ी पहल

वेबसाइट

www.brahmakumaris.org
www.eco.brahmakumaris.org
www.brahmakumaris.com
www.solar.brahmakumaris.com

सोशल मीडिया

facebook.com/bkenvironmentinitiative
twitter.com/EcoBrahmaKumari
instagram.com/ecobrahmakumaris
linkedin.com/company/ecobrahmakumaris